

B.A. 4th Semester (Honours) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC 9

Course Title : Modern Sanskrit Literature

Time : 3 hours

Full Marks : 60

The figures in the right hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

ক বিভাগঃ

1. প্রতিবিভাগে প্রশ্নপঞ্চকং স্বীকৃত্য দশপ্রশ্নানামুত্তরং সুরগিরা দেবনাগরীলিপ্যা প্রদেয়ম্। 2×10=20
(প্রত্যেক বিভাগ থেকে পাঁচটি করে প্রশ্ন নিয়ে সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী অক্ষরে মোট দশটি প্রশ্নের উত্তর দাও।)
- (a) “দেশবন্ধুপ্রিয়ম্” ইতি নাটকং কেন কদা কং বিষয়মাধৃত্য প্রণীতম্?
(“দেশবন্ধুপ্রিয়ম্” এই নাটকটি কে কখন কোন বিষয়কে উপজীব্য করে রচনা করেন।)
- (b) সমকালিকীং সমস্যামধিকৃত্য সিদ্ধেশ্বরচট্টোপাধ্যায়স্য কৃতিদ্বয়ং লিখ্যতাম্।
(সমকালীন সমস্যার আধারে সিদ্ধেশ্বর চট্টোপাধ্যায় কত্বর্ক রচিত দুটি কাব্যকৃতির নাম লেখ।)
- (c) “পাণ্ডববিক্রমম্” কেন বিরচিতম্? কীদৃশম্ ইদং কাব্যম্?
(“পাণ্ডববিক্রমম্” কে রচনা করেন? এটি কী জাতীয় কাব্য?)
- (d) “শিবাজিচরিতম্” ইতি নাটকং কেন প্রণীতম্? কবেরস্য অন্যৎ কৃতিদ্বয়ং লিখ্যতাম্।
(“শিবাজিচরিতম্” এই নাটকটি কে রচনা করেন? এই কবির অন্য দুটি কাব্যকৃতি লেখ।)
- (e) রমাচতুর্ধুরিকৃতস্য মহাপুরুষজীবনাশ্রয়স্য রূপকদ্বয়স্য নাম উপস্থাপনীয়ম্।
(মহাপুরুষ জীবনাশ্রয়ে রমাচতুর্ধুরির রচিত রূপকদ্বয়ের নাম লেখ।)
- (f) কশ্মিন্ রূপকদ্বয়ে নিত্যানন্দস্মৃতিতীর্থে সংস্কৃতভাষায়াঃ রক্ষণে ভাবঃ প্রকটীকৃতঃ?
(কোন রূপকদুটিতে নিত্যানন্দস্মৃতিতীর্থ সংস্কৃতভাষা রক্ষার জন্য নিজের ভাব প্রকাশ করেছেন?)
- (g) “স্যমস্তকোদ্ধারব্যায়োগঃ” ইতি রূপকং কঃ ব্যরচয়ৎ? ব্যায়োগস্যস্য বিষয় কঃ?
(“স্যমস্তকোদ্ধারব্যায়োগঃ” এই রূপকটি কে রচনা করেন? এই ব্যায়োগের বিষয়বস্তু কী?)

[2]

ब विभागः

- (h) "चिपिटिकचर्चणम्" इति काव्यास्य नान्दीश्रोत्रके कविः कां देवतां स्तुतिः? नान्दीयं कीदृशी?
(“चिपिटिकचर्चणम्”-एव नान्दीश्रोत्रके कविः कोन देवतां स्तुतिः करेछेन? एई नान्दी कीं ड्डीतीर?)
- (i) कपालिनः हस्तनाडीं परीक्षां वैदोऽन किमुक्तम्?
(कपालीनः हस्तनाडीं परीक्षां करे वैदो कीं बलेछिल?)
- (j) सुवर्णं घटे ह्यपयता तस्मिन्ने कः मय्यः पठितः?
(घटे सुवर्णं ह्यपयनं करे तस्मिन्ने कीं मय्यः पाठं करेछिल?)
- (k) कपाली किमर्थं श्वानमनुसस्यार?
(कपाली कीं कारणे कुकुरके अनुसरणं करेछिल?)
- (l) केन पादुकाचतुष्टयं कुत्र लक्ष्यम्?
(पादुका चारुति के कोथरं नाभं करेछिल?)
- (m) सुवर्णस्य त्रिगुणतासम्पन्नाने तस्मिन्ने कः वृद्धिः प्रदर्शिता?
(त्रिगुणं सुवर्णनाभेरे ड्नी तस्मिन्ने कीं वृद्धिं प्रदर्शनं करेछिल?)
- (n) “पर्वप्रभाववशतः वसुपर्वतः स्याः”—इत्यत्र कस्य पर्वणः उल्लेखः? केन कमुद्दिष्य कृतः?
(“पर्वप्रभाववशतः वसुपर्वतः स्याः”—एवाने कोन पार्वणेर उल्लेखं हरेछे? के कोन उद्देशे एतं बलेछेन?)
- (o) पद्मभवहर्षोत्थिनी का? सा केवु कृपां विधास्यति?
(पद्मभवहर्षोत्थिनी के? तिनि कानेर कृपां विधानं करेवेन?)

2. अधोलिखितेषु वथकांश्च प्रश्नचतुष्टयम् समाधेरम्। तेषु प्रश्नद्वयं सुरगिरा समाधेरम्। 5x4=20

(निम्नलिखित वेष कोनो चारुति प्रश्नेर उड्ठर नाड। तार मध्ये दुति प्रश्नेर उड्ठर संकुतं तावार लेख।)

- (a) नित्यानन्दस्मृतितीर्थविरचिता ऐतिहासिकवृत्तश्रुता काचन नाट्यकृतिः पर्वालोचनीया।
(नित्यानन्दस्मृतितीर्थं विरचितं एकं ऐतिहासिकं नाट्यकं पर्वालोचनं कर।)
- (b) “मानवकगौरवम्” इति नाटकं केन प्रणीतम्? नाटकस्यास्य विषयवस्तु आलोच्यताम्।
(“मानवकगौरवम्” नाटकं के रचनां करेन? एई नाटकं विषयवस्तु आलोचनं कर।)
- (c) समकालिकसमस्यामधिकृतं विरचितं रूपकद्वयस्य नामोल्लिख्य एकतस्य विषयवस्तु प्रतिपाद्यताम्।
(समकालीनसमस्यां अवलम्ब्य रचितं दुति रूपकं नाम उल्लेखं करे एकं विषयवस्तु प्रतिपादनं कर।)
- (d) “गृहे गृहे अमन्ती द्वयं वर्धय यामिगौरवम्”—कस्मिन् प्रसङ्गे उक्तिरियं कस्य? तात्पर्यम् विवृणुत।
(“गृहे गृहे अमन्ती द्वयं वर्धय यामिगौरवम्”—कोन प्रसङ्गे एतं का उक्तिः? एई उक्तिं तात्पर्यं विवृणुत।)

(e) अनुबादो विधेयः

(अनुबाद कर ः)

सङ्कुं चिपिटकं चैव विरिङ्कित्तुलया दधे।

न निर्णेतुं ऋमोहद्यापि कश्चिन् पङ्के ज्ञेयो भवेत्।

(f) सप्रसङ्गं व्याख्या विधेया।

(सप्रसङ्ग व्याख्या कर।)

अद्भुतं द्रवामुद्भुतं वनस्पति-वृताभिधम्।

न योयो गौर्नवा घासो गोरसोऽपि न वृज्यते॥

3. निम्नलिखितेषु यथानिर्देशं प्रश्नद्वयं समाधेयम्।

10×2=20

(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি প্রশ্নের সমাধান কর।)

(a) आधुनिकसंस्कृतसाहित्यविकाशाय वङ्गसूरिभिः विरचिताः लघुकथाः आलोचनीया।

(आधुनिक संस्कृत साहित्येर बिकाशे वङ्गीय पण्डितवर्गेर विरचित छोटगल्लगुलि आलोचना कर)

(b) अर्वाचीनसंस्कृतसाहित्ये वङ्गकविप्रणीतानां मनीषिविजीवनाश्रितानां कृतीनामवदानं सूपाद्यताम्।

(अर्वाचीन संस्कृत साहित्ये मनीषिदेर जीवने अवलम्बने रचित वङ्गकविदेर काव्यकृति उपपादन कर।)

(c) अधीतं प्रहसनम् अनुसृत्य प्रकाशितं रत्निकाः चरित्रं वर्णयत।

(तोमोदेर पाठ्यास्तुर्गत प्रहसने अनुसरणे रत्निकीर चरित्र अङ्कन कर।)

(d) निम्नलिखितेषु यथानिर्देशं प्रश्नद्वयं समाधेयम्।

5×2=10

(निम्नलिखित দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও)

(i) कपालिमुनिःसूतं जीर्णछत्रवैशिष्ट्यं लेख्यम्।

(कपाली वर्णित जीर्णछत्रेर वैशिष्ट्य लेख।)

(ii) पठितप्रहसनानुसारं तादृशकौतुहलं विकारग्रस्तस्य लक्षणं प्रतिपाद्यताम्।

(पठित प्रहसनेर अनुसरणे तादृश कर्तुक उक्त विकारग्रस्तेर लक्षण प्रतिपादन कर।)